संपादक के नोट

– पास्टर सरोजा म.

यहोवा की स्तुति हो। मैं, मेरे प्रभु और उदधारकर्ता येशु मसीह के नाम से तुम्हारा अभिवादन करती हूँ। मैं तुम सब को तुम्हारे जीवनों में इस महिने आनंदायक फ़सलों की शुभइच्छाएँ देती हूँ। जैसे हम फ़सल के उत्सव को हमारे कलिसिया में १४ अक्तुबर को मनाते हैं, हम पीछे मुड़कर धन्यवाद भरे हृदय से सारे आशिषों को देखते हैं जिन्हें प्रभु ने हमे पिछले साल में दिया है। हम प्रभु को धन्यवद देते हैं उसके सारे अद्‌भुत कार्यों के लिए।

पवित्र शास्त्र व्यवस्थाविवरण ७ः६–७ में कहता है – *"तू अपने परमेश्वर यहोवा के लिए पवित्र प्रजा है; तेरे परमेश्वर यहोवा ने तुझे निज प्रजा होने के लिए पृथ्वी भर की सब जातियों में से चुना है। यहोवा ने तुझ से जो प्रेम किया और तुझ को चुना वह इसलिए नहीं कि तू अन्य सब जातियों के लोगों से संख्या में अधिक था, क्योंकि तू तो समस्त जातियों में सब से कम था।"*

"और मैं तुम्हारा पिता होऊंगा और तुम मेरे बेटे और बेटियां होगे। सर्वशक्तिमान प्रभु यह कहता है।"

दाऊद, जो सच्चाई को जानता था जो हमारे प्रभु ने स्वयं के बारे में बताया, भजन संहिता १४२ः५ – *"हे यहोवा, मैं तुझे पुकार उठा, मैंने कहा, तू मेरा शरणस्थान है, जीवितों की भूमि पर तू मेरा भाग है।"*

येशु ने प्रेम और आनंद से मरियम के बारे में जो उसके चरणों में बैठती थी, कहा, जैसे दिया गया है लूका १०:४२ – *"परन्तु कुछ बातें हैं– वास्तव में एक ही बात आवश्यक है, और मरियम ने उस उत्तम भाग को चुन लिया है जो उस से छीना न जाएगा।"*

अब्राहम के पहले पुत्र का नाम इश्माएल था, उसकी पीढ़ी जो थीं अरब के लोग थे (इश्माएली)। उनकी आशीष पृथ्वी की वसा थी, जो है पेट्रोल। उसके दूसरे पुत्र का नाम इसहाक था। उसकी पीढ़ी यहूदी लोग थे (इस्राएली)। उनकी आशीष बुद्धि और ज्ञान था, वें महान जाति थे। उसी समय अब्राहम का एक आतमिक पुत्र है, उसका नाम है येशु मसीह।

मत्ती १:१ कहता है – *अब्राहम के वंशज दाऊद की सन्तान येशु मसीह की वंशावली की पुस्तक।*

येशु ने अपने–आप को सारे क्रिस्तियों के लिए दिया। उसका शरीर और लहु, उसने हमारे लिए बहाया। व्यवस्थाविवरण ३२ू१० कहता है – *उसने उसे जंगल में, वरन् पशुओं के चीत्कार से भरी वीरान मरूभूमि में पाया। उसने उसके चारों ओर रहकर उसे सम्भाला और अपनी आँखों की पुतली के समान उसकी सुरक्षा की।*

उसके सामर्थ को उन लोगों को दिखाने के लिए जो उसके प्रति वफ़ादार हैं, वह कहता है कि उसकी आँखे सारी पृथ्वी पर हैं। २ इतिहास १६ू९ कहता है – *क्योंकि यहोवा की आंखें समस्त पृथ्वी पर फिरती रहती हैं कि जिनका हृदय सम्पूर्ण रीति से उसका है, वह उनके प्रति अपने सामर्थ को दिखाए। तू ने इस में मूर्खता की है। निश्चय अब से तू युद्ध मे ही फंसा रहेगा।*

वह केवल हमारे चहरों को नहीं देखता है, बल्कि हमारे हृद्यों को भी देखता है। उसने हमे हमारे नीच अवस्था में देखा है और हमे उठाया है।

जब हम दर्द, दुख और मुशकिलों में हैं उसकी चिंतित आँखों ने हमे देखी है। लूका का दसवा अध्याय उस मनुष्य के बारे में कहता है जो यरीहो गया और वह ड़ाकुओं के हाथ लगा, जिन्होने उसे नंगा और घायल कर छोड़ा, किसी ने उसकी चिंता न की। वह लेवी और याजक ने भी नहीं, जो उसके बाजू से गुज़रे, लेकिन अच्छा समरिया ने उसे पाया और उसपर करूणा किया। उसने उसके घाँवों की मरहम–पट्टी की।

हमारे खुद के जीवनों में भी आज, हमारी ही माँ, भाई और बहने हमारी वेधना को नहीं समझ सकते हैं। लेकिन एक परमेश्वर है जो हमारी वेधना और दुख को जानता है, वह हमारा दयालु परमेश्वर है।

लूका १३ उस स्त्री के बारे में बताता है जो १८ साल से बंधन में थी। वह मंदिर में आई और किसीने उसकी चिंता न की, लेकिन येशु ने उसे देखा और उसके हाथों को उसके ऊपर रखा और उसे उसके बंधन से मुक्ति मिली। वह सीधा खड़ी हुई और प्रभु की अराधना करने लगी।

जब खोया हुआ बेटा आँसुओं में घर लौट आया, किसी ने उसे न देखा, उसके पिता के अलावा। पिता ने उसके बड़े बेटे से कहा, लूका १५ू३२ – *"परन्तु हमें अब आनन्द*

मनाना व मग्न होना है, क्योंकि तेरा यह भाई मर गया था, अब जीवित हो गया है, और खो गया था, अब मिल गया है।"

हमारा दयालु परमेश्वर हृदयों को दूर से जानता है – हम उसके पास किस मकसद से आते है। जो कोई उसके पास आता है, व उसे इंकार नहीं करता है।

३८ साल से एक मनुष्य बैतहसदा कुण्ड के पास बीमार पड़ा था। उसके दर्द से कोई उसे छुटकारा नहीं दे सकता था। लेकिन येशु के आँखों ने उसे पा लिया। वह उसके पास आता है और उससे पूछता है कि क्या वह चंगाई पाना चाहता है। वहाँ, येशु ने उसे चंगा किया। हाँ, हमारे प्रभु ने हमे देखा है जब हम दुख में हैं और अकेले हैं। जब हम अनाथ जैसे थे, उसने हमे पाया है। उसने हमे कलवरी के क्रूस पर लहु बहाकर ख़रीदा है। उसने हमे उसके सन्तान बनाया है उसे अब्बा पिता बुलाने के अधिकार से।

- उसने हमे चुना है
- उसने हमारी अगुवाई की है
- उसने हमारे लिए पूरी ज़िम्मेदारी ली है।

व्यवस्थाविवरण ३२:१२ – *यहोवा ही ने उसकी अगुवाई की, उसके साथ कोई पराया देवता नहीं था।*

हमारे परमेश्वर हमारी अगुवाई करे इसलिए अपने–आप को परमेश्वर के शक्तिशाली हाथ में सौंप दो। जैसे रोमियों ८:१४ कहता है – *क्योंकि वे सब जो परमेश्वर के आत्मा के द्वारा चलाए जाते हैं, वे परमेश्वर के सन्तान हैं।*

अगर हम परमेश्वर के सन्तान हैं, हमारा परमेश्वर ने हमारे लिए उसकी महिमादायक आशीष दिया है, जैसे दिया गया है व्यवस्थाविवरण ३२:१३ – *उसने उसको पृथ्वी के ऊँचे स्थानों पर सवार कराया, उसने उसे खेतों की उपज खिलाई, उसने उनको चट्टान में से मधु, वरन चकमक की चट्टान में से तेल चुसाया।*

यह आनेवाले वर्ष से अगले फ़सलोत्सव तक, एक आशीष का वर्ष रहे हम में से हर एक के लिए और हमारे परिवारों के लिए, परमेश्वर के वादाओं के अनुसार।

परमेश्वर तुम्हे आशीष दें।